

[illegible]

			ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ		ФГТ	
--	--	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--